शिक्षा विभाग, पंजाब

मार्गदर्शक:

डॉ. सुनील बहल,

सहायक निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. पंजाब)

प्रस्तुतकर्ता:

अनवर हुसैन

हिंदी शिक्षक,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
खरौड़ा, फतेहगढ़ साहिब ।

संशोधन:

राजन

हिंदी शिक्षक,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
लोहारका कलाँ, अमृतसर।

(निबंध)

मेरा गाँव

भारत को गाँवों का देश कहा जाता है। मेरा गाँव पंजाब राज्य के.....ज़िले में पड़ता है। इसका नाम..... है। यहाँ की मुख्य भाषा पंजाबी है, पर कुछ लोग हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग भी करते हैं। मेरा गाँव चारों तरफ से खेतों से घिरा हुआ है। यहाँ सुबह-सुबह का समय बहुत मनमोहक और स्वच्छ होता है। किसान खेतों की ओर जाते हुए, गृहणियाँ घर आँगन के काम-काज निपटातीं, बड़े-बूढ़े चौपालों पर बैठे और बच्चे स्कूल की ओर जाते हुए दिखाई देते हैं। यहाँ अधिकतर संयुक्त परिवार रहते हैं। सभी आपस में प्रेम और सद्भाव से रहते है। यहाँ के लोगों का मुख्य पेशा खेती और पशुपालन है। कुछ लोग शहर जाकर भी काम करते हैं।

मेरे गाँव में एक बहुत बड़ा तालाब है। जहाँ अकसर हमारे मवेशी नहाते नज़र आते हैं। गलियों में बच्चों के खेलकूद और फुटबॉल-कबड्डी के मैच, काकी-चाची का लस्सी-मक्खन घर पर बनाना और नौकरी भी करना तथा खेती के भिन्न-भिन्न कार्यों में पुराने और नए सभी प्रकार के तरीके अपनाना, मेरे गाँव को पुरानी ग्रामीण सभ्यता और आधुनिकता का संगम बनाते हैं। यहाँ सभी धर्मों के पर्व मिलजुल कर मनाए जाते हैं।

मेरे गाँव में बिजली, पानी और सड़कों आदि की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मैं बड़ा होकर एक इंजीनियर बनना चाहता हूँ ताकि अपने गाँव के विकास में अपना योगदान दे सकूँ। मेरा मन करता है कि मैं कभी भी यहाँ से कहीं न जाऊँ। मुझे मेरे गाँव से बहुत प्रेम है।